बाल दिवस

बच्चे देश का भविष्य हैं। देश की उन्नति और एकता का आधार हमारे बच्चे ही हैं। इस भावना से भरकर धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में इस वर्ष 'बाल दिवस' मनाया गया। विद्यालय में महान कवि गुलज़ार जी को आमंत्रित किया गया। गुलज़ार जी ने कई सुंदर गीत, कविताएँ और कहानियाँ बच्चों के लिए लिखी हैं। कक्षा एक के बच्चों ने गुलज़ार जी का स्वागत उनके द्वारा रचित गीत 'लकड़ी की काठी' गाकर किया।

गुलज़ार जी ने कक्षा एक के बच्चों से हल्की फुल्की बातचीत की तथा बच्चों ने उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों के समुचित उत्तर देकर उन्हें अत्यंत प्रभावित किया। इसके बाद गुलज़ार जी द्वारा रचित कविता 'एक में दो' का पाठ करके उसकी व्याख्या बाल सुलभ भाषा में की गयी। गुलज़ार जी ने अपनी पुस्तक 'एक में दो' बच्चों को उपहार स्वरूप दी।

बच्चों ने भी रामायण की कहानी सुनाई तथा 'हिन्दी के गीतों की दुनिया में आओ' गीत सुनाकर वातावरण को गीतमय बना दिया।

सभी बच्चों के साथ गुलज़ार जी ने 'एक में दो' खेल खेला। कविता की अंतिम पंक्तियों में छिपे भाव को खेल खेल में ही बच्चे सीख गए कि सब कुछ दो होते हुए भी 'हमारा दिल, हमारी जाँ, आकाश, सूर्य एक हैं। एक ही है धरती और हमारा हिन्दुस्ताँ भी एक है। इस प्रकार इन भावपूर्ण पंक्तियों के साथ 'बाल दिवस' का समापन हुआ।

'कितने सारे दो हैं, फिर भी
एक ही दिल है एक ही जाँ है।
एक आकाश और एक ही सूरज
एक ज़मीं, एक हिन्दुस्ताँ है।'